Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre,Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30,Siddh Co-op.Hsg.Society,
Siddharth Nagar No.2,Goregaon (West),
Mumbai - 400 062.• Phone :022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

ॐ

17/11/2011
गुरुवार

2012, शिक्षक वर्ष

सभी पुण्यआत्माओ को मेरा नमस्कार - - -

हम सभी ने अपने 92 साल के अनुभव से जाना की "समर्पण ध्यान" ही एक ऐसा माध्यम है, जिससे "मनुष्य मनुष्य" के साथ जुडता है। और मानवता की भावना बढती है। दुसरा दुनीया का कोई कानुन मनुष्य को सुधार नही सकता। मनुष्य को सुधार सकता है, तो वह स्वंयम मनुष्य क्योकी कानुन मनुष्य बनाता है। कानुन मनुष्य ही तोडता है, और कानुन से बचने का मार्ग भी मनुष्य ही निकालता है। इसलीये मनुष्य का बनाया गया कानुन मनुष्य को अपराध से रोकने के लिये अपर्याप्त है। मनुष्य की अंन्तरआत्मा जाग्रत हो जाने पर मनुष्य को ही भितर से ज्ञान मिल जाता है, क्या योग्य है, और क्या अयोग्य है, फिर जो योग्य है, वही वह रखता है, और जो अयोग्य है, वह स्वंयम ही छुट जाता है, यह अंन्तर आत्मा को जाग्रत करने का कार्य को ही "समर्पण ध्यान" करता है।

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre,Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30,Siddh Co-op.Hsg.Society,
Siddharth Nagar No.2,Goregaon (West),
Mumbai - 400 062.• Phone :022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

जन जागृती करने का कार्य समाज मे शिक्षक करते है। वे जन जागृती करने के लिये एक सशक्त माध्यम है। इसी लिये इस वर्ष को गुरुशक्तीयो ने "शिक्षक वर्ष" के रुप मे मनाने का निर्णय लिया है,

इस लिये इस वर्ष स्कुल, कॉलेज, शिक्षक संघ, आदि के माध्यम से हमे "शिक्षक परिवार" तक इस ज्ञान की गंगा को पहुचाने का है। और इसके लिये सेंन्टरो, और आश्रमो, के माध्यम से विशेष शिक्षक शिबीर आयोजीत करने के है, ताकी उन्हे "सजीव ज्ञान" की अनुभुती हो सके। क्योकी एक बार उन्हे चैतन्य की अनुभुती का ज्ञान प्राप्त हुआ तो वे सारे समाज तक उसे पहुचायेंगे ही क्योकी "गुरु का स्वभाव" है। वह अपने पास कुछ रख ही नही सकता है। आप सभी पुण्यआत्माओ के सहयोग की इस विशाल योजना मे अपेक्षा है, क्योकी आप ही गुरुशक्तीयो के जिवन्त माध्यम है, आप सभी को खुब खुब आशिर्वाद

आपका
बाबा स्वामी
17/11/11